No. of Printed Pages : 4

MSK-003

स्नातकोत्तर कला उपाधि (एम.एस.के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.एस.के.-003 : दर्शन : न्याय, वैशेषिक वेदान्त, सांख्य और मीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं।*

(ii) प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×10=30

(क) भारतीय दर्शनों में परस्पर सम्बन्ध का विवेचन कीजिए।

अथवा

सांख्य दर्शन की तत्वमीमांसा का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

(ख) मीमांसा-वेदांत दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का निरूपण कीजिए।

अथवा

चार्वाक दर्शन की तत्वमीमांसा की समीक्षात्मक व्याख्या कीजिए।

(ग) सांख्य दर्शन के अनुसार प्रमाण की विवेचना कीजिए।

अथवा

आस्तिक दर्शन कौन-कौनसे हैं ? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : $4 \times 10 = 40$

(क) तत्र गन्धवती पृथ्वी। सा द्विविधा-नित्याऽनित्या च। नित्या परमाणुरूपा। अनित्या कार्यरूपा। पुनस्त्रिविधा-शरीरेन्द्रियविषय भेदात्। शरीरमस्मदादी- नान। इन्द्रियं गन्धग्राहकं घ्राणं नासाग्रवर्ति। विषयो मृत्पाषाणादि:।

अथवा

द्रव्यगुणकर्म सामान्यविशेष समवायाभावाः सप्त पदार्थाः।

(ख) रसनाग्राह्यो गुणो रसः। स च मधुराम्ल लवणकटु कषायतिक्तभेदात् षड्विधः। पृथ्वीजलवृत्तिः, तत्र पृथिव्यां षड्विधः जले मधुरऽत्व।

अथवा

सर्वव्यवहारहेतुर्गुणो बुद्धिर्ज्ञानम्। साद्वि-विधास्मृतिरनुभवश्च।

(ग) तत्र अनुबन्धो नाम अधिकारीविषय सम्बन्ध-प्रयोजनानि।

अथवा

असर्पभूतायां रज्जौ सर्पारोपवत् वस्तुनि अवस्त्वारोपः अध्यारोपः।

(घ) सामान्यतस्तु दृष्टादतीन्द्रियाणां प्रतीतिरनुमानात्।

तस्मादपि चासिद्धं परोक्षमाप्तागमात् सिद्धम्।।

अथवा

असदकरणदुपादान ग्रहणात्सर्वंसंभवा भावात्।

शक्तस्य शक्यकरणात् कारण भावाच्च सत्कार्यम्।।

खण्ड—ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5×6=30

(क) विनियोग विधि

(ख) नियम विधि

(ग) वेद की अपौरुषेयता

(घ) आठ प्रकार की सिद्धियाँ

(ङ) कर्मेन्द्रियाँ

(च) बुद्धि के आठ रूप

(छ) सत्कार्यवाद